











## भव्य-दिव्य महाकुम्भ



# मौनी अनावस्या का महाएजनान कल, संगम से सड़क तक श्रद्धा का रेला, पांटून से पैदल पुल बंद

## एजसा, महाकुभ नगर (प्रयागराज)

मोना अमावस्या का महान्नान  
बुधवार को है लेकिन दो दिन पहले ही  
स्नान के लिए भारी भीड़ उमड़ी।  
सोमवार को संगम से लेकर सड़क  
तक श्रद्धा का रेला उमड़ा। भीड़ बढ़ने  
पर पांटून पुतों से पैदल भी आवागमन  
रोक दिया गया। इसकी वजह से  
संगम के अलावा झूसी जोन में ऐरावत  
घाट पर श्रद्धालुओं की ज्यादा भीड़  
रही। शास्त्री पुल श्रद्धालुओं से भरा  
रहा। पैदल चलना भी मुश्किल भरा  
रहा। यह स्थिति अंदावा चौराहे तक  
रही। शहर में लोक सवा आयोग  
चौराहे से संगम तक स्नानार्थियों का  
रेला चला आ रहा था। यह क्रम टूटने  
का नाम नहीं ले रहा था। इसी तरह की  
स्थिति संगम की तरफ जाने वाली  
अन्य सड़कों का भी रहा। भीड़ बढ़ने  
की वजह से दिन में बालसन चौराहे से  
जवाहर लाल नेहरू मार्ग पर  
आवागमन रोक दिया गया था।

स्नानार्थियों को जार्जटाउन, अल्लापुर, बख्खी बांध होते हुए संगम की तरफ भेजा गया। इस तरह के डायवर्जन जगह-जगह किए गए थे। मेला क्षेत्र तो पूरी तरह से भरा हुआ था। काली एवं ब्रिवेणी मार्ग, बांध पर लोग एक दूसरे के पाठे चले जा रहे थे। संगम, नागबासुकी तथा झूंसी तीनों जोन के हर मार्ग पर स्नानार्थियों की भीड़ रही। यहां तक झूंसी की तरफ बने रिवर फ्लैट रोड पर भी पैदल चलना मुश्किल था। जबकि, आम दिनों में लोग अपने वाहनों से भी आ-जा रहे थे। झूंसी की तरफ से आने वाले ज्यादातर श्रद्धालुओं को शास्त्री ब्रिंज से पहले ही मेला क्षेत्र में उतार दिया गया। इनमें से ज्यादातर लोग संगम जाना चाहते थे लेकिन पांडुन पुल पर आवागमन प्रतिबंधित रहने से निराशा हुई। इसे लेकर श्रद्धालुओं में चर्चा भी उठी।

**ट्रंप के इन एलान से भारत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं**  
**ट्रंप ने फिर दी धमकी- जो देश हमें नुकसान पहुंचाएगा,**  
**उस पर टैरिफ लगाएंगे, भारत-चीन का भी लिया नाम**

एजेंसी, वॉशिंगटन  
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक से धमकी दी है कि जो भी देश अमेरिका-नुकसान पहुंचाएगा, उस पर अमेरिका टैरिफ लगाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत ब्राजील का नाम लेरे हुए कहा कि ये दोनों ज्यादा टैरिफ लगाते हैं। फ्लोरिडा में रिपब्लिकन पार्टी के एक कार्यक्रम में डोनाल्ड ट्रंप ने 'हम उन देशों और बाहरी लोगों पर टैरिफ लगाएंगे' कहा है, जो हमें नुकसान पहुंचाएंगे। अपने देश के लिए अच्छा काम कर रहे हैं। उससे हमें नुकसान हो सकता है। ट्रंप 'दूसरे देश क्या कर रहे हैं, चीन अच्छा क्या कर रहा है' कहा है।

**मौनी अमावस्या से पहले ही 15 करोड़ से अधिक लोग कर लेंगे स्नान**

सरकार को आर से महाकुभ में 40 से 45 करोड़ लोगों के स्नान करने की उम्मीद है। यह आंकड़ा छूटा भी दिख रहा है। मेला प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार मौनी अमावस्या से एक दिन ही स्नानार्थियों की कुल संख्या 15 करोड़ को पार कर जाने की उम्मीद है। रविवार तक 13.21 करोड़ लोग स्नान कर चुके थे। सोमवार को भी एक करोड़ से अधिक लोगों ने स्नान किया। मौनी अमावस्या से पहले मंगलवार को भी एक करोड़ से अधिक लोगों के स्नान की उम्मीद है। ऐसे में मौनी अमावस्या से एक दिन पहले ही स्नानार्थियों की कुल संख्या 15 करोड़ को पार कर जाने की उम्मीद है।

2 दिनों में पौने तीन  
करोड़ लोगों से अधिक  
ने किया स्नान  
मौनी अमावस्या स्नान पर्व के चार  
दिन पहले से ही स्नानार्थीयों में  
उत्साह विख्ने लगा । रविवार और  
सोमवार को तो जनसैलाब उमड़ा।  
इसका अनुमान इससे ही लगाया  
जा सकता है कि प्रशासन के  
आकंड़ों के अनुसार इन दो दिनों में  
पौने तीन करोड़ से अधिक लोगों ने  
स्नान किया । इनमें से एक करोड़  
74 लाख श्रद्धालुओं ने रविवार को  
स्नान किया था ।

पहली बार बोरकेंड्स लगाकर गिनती का गड़ था। हम मौजूदा वक्त की गिनती कैसे की जा रही है, इसके बारे में जानेंगे। लेकिन, पहले यह जानते हैं कि कुंभ में श्रद्धालुओं की गिनती की शुरुआत कब से हुई? मिले रिकॉर्ड के मताविक, कुंभ मैले में आने वाले श्रद्धालु की पहली बार गिनती अंग्रेजों ने 1882 में की थी। उस वक्त प्रयागराज कुंभ में आने वाली हर सड़क पर बैरिंकेंड्स लगा दिए जाते थे। फिर हर आने वाले की गिनती होती थी। रेलवे स्टेशन के टिकट को भी जोड़ा जाता था। उस कुंभ में करीब 10 लाख लोग शामिल हुए थे। इसके बाद यह संख्या हर कुंभ में बढ़ती चली गई। लेकिन, गिनती का तरीका यही रहा।

A young boy with dark hair and bangs, wearing a pink long-sleeved shirt, sits on his father's shoulders. The father is smiling and has a beard. They are at a crowded outdoor event, likely a protest or rally, as other people are visible in the background. The scene is set against a backdrop of trees and a clear sky.

# वॉट्सऐप पर न भेजें प्री-अरेस्ट वॉरंट व्हाट्सऐप ई-मेल से भेजा गया नोटिस मान्य नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने क्वाट्स-एप या इलेक्ट्रॉनिक मोड से नोटिस भेजने पर अब रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस विभागों को निर्देश दिया है कि वे सीआरपीसी की धारा 41ए या बीएन-एसएस की धारा 35 के तहत आरोपी को नोटिस देने के लिए क्वाट्स-एप या किसी और इलेक्ट्रॉनिक मोड का उपयोग न करें। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे नोटिस के बल सेवा के लिए निर्धारित पारपरिक तरीके से ही जारी किए जाएं। इन दोनों प्रावधानों के अनुसार, संज्ञय अपराध की जांच कर रहे हैं।



# पुल पार करने के लिए होती रही जद्दोजहद



तानपार या नाहुनुग दोन वर्ष का<sup>४</sup>  
ए सभी ३० पांटून पुलों को बंद कर  
दिया गया। इसको लेकर श्रद्धालुओं  
में गहरा आक्रोश देखा गया। एनाउंस-  
करके श्रद्धालुओं से कहा गया कि  
वह जिधर से मेले में आ रहे हैं स्नान  
के बाद उसी उसे रास्ते से वापस लौट  
जाएं, पांटून पुल बंद है उस पर जाने

या प्रतीकात्मक परामर्शद्वारा या सुरक्षा के लिए यह व्यवस्था लागू की गई है। महाराष्ट्र से आए एक सिपाही से पुलिस की तीखी नोकझोक हुई। सुबह 11 बजे द्वांसी की ओर से आए कुछ नगा साधु पांटन पुल पार करने की जिद पर अड़ गए। यहां पर तैनात पुलिसकर्मियों और पैरामिलिट्री फोर्स के बीच यहां उड़ान नहीं आ दिया। दोनों साधुओं की पुलिस से तीखी नोकझोक हुई। दोनों साधु पांटन पुल का रास्ता न खोले जाने पर उग्र हो गए। इसके बाद यहां पर भीड़ जमा हो गई। पुलिस और साधुओं की बहस का लोग वीडियो भी बनाते रहे।

## मोदी ने आखिरी एजेंडे का पहला पड़ाव पार किया

हन्तुओं का भावना के अनुरूप द्रायल  
के तौर पर उत्तराखण्ड में यूनिफॉर्म  
सिविल कोड लागू हो गया है।



६  
अजय  
सेतिया  
की कलम से

**न** रेंड्र मोदी मदमस्त हाथी की तरह अपने एजेंडे पर चल रहे हैं। राहुल गांधी ने भविष्यवाणी की थी कि छह महीनों में मोदी सरकार गिर जाएगी। छह महीने बीत चुके हैं। इन छह महीनों में महाराष्ट्र और हारियाणा में राहुल गांधी को अपनी हैसियत पता चल गई है। इसलिए राहुल गांधी ने अब ऐसे दावे करना छोड़ दिया है, क्योंकि ऐसा कुछ होना जाना नहीं, इसलिए वह अगले पांच साल कांग्रेस को मजबूत करने के काम में जुट गए हैं। उन्होंने दिल्ली के चुनाव में इसी लिए आम आदमी पार्टी से गठबंधन तोड़ा है। अजय माकन ने केरीवाल के देशद्रोही होने के सबूत देकर अपना वादा निभा दिया है। जैसी कि उम्मीद थी, माकन ने केरीवाल के खलिस्तानियों के साथ संबंधों के सदृश दिए। अजय माकन ने ही केरीवाल से कांग्रेस का गठबंधन तुड़वाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जहां मोदी मजबूत हो रहे हैं, वहाँ विपक्ष का गठबंधन टूट रहा है। राहुल गांधी के बाद केरीवाल प्रधानमंत्री बनने की ओर धूम लेने वाले अन्य उम्मीदवारों की भी विपक्ष का गठबंधन टूट रहा है।

बनन का सपना ल रह थ। प्रधानमंत्री बनन का लिए वह वाराणस में नरद मादा को हराने गए थे, उन्हे भी अपनी हैसियत इस चुनाव में पता चल जाएगी। केजरीवाल दिल्ली का चुनाव हार रहे हैं, और कांग्रेस भी उन्हें हराने की कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही। भले ही राहुल गांधी बीमार होते हैं, लेकिन मध्यप्रदेश में जाकर ठीक हो जाते हैं। जिस कांग्रेस ने पूरा जोर लगाकर डॉ. अंबेडकर को दो बार हराया। जिस डॉ. अंबेडकर के जन्म स्थान, मध्यप्रदेश के महू में उनका स्मारक तक नहीं बनाया, जिसे बाद में भाजपा की पटवा सरकार ने बनवाया। दिल्ली के चुनावों के चलते गांधी परिवार का सारा कुनबा महू पहुंच गया। क्योंकि, दिल्ली की 12 अनुसूचित जाति की सीटें बहुत महत्वपूर्ण हैं। जबकि, 27 जनवरी को न बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती थी, न परिनिर्वाण दिवस। केजरीवाल ने 10 साल दिल्ली के दलितों को धोखा दिया। उससे पहले 15 साल तक कांग्रेस ने धोखा दिया। इस बार दिल्ली की 12 आरक्षित सीटों में से कम से कम आधी सीटों पर मोदी का डंका बज रहा है। पूर्वीचली, दलित, सिख, जाट सभी केजरीवाल के खिलाफ खड़े हैं। केजरीवाल की सरकार नहीं बनने जा रही। भले ही कांग्रेस की 5-7 सीटें आए और दिल्ली में 2013 जैसा नतीजा आए, तब भी कांग्रेस 2013 वाली बेवकफी नहीं करने वाली। केजरीवाल की हार मोदी को अगले दो साल तक राहत देने वाली होगी। मोदी ने अगले दो साल का एजेंडा तय कर लिया है। इन दो सालों में कई बड़े-बड़े काम होने हैं, जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते। 27 जनवरी से उसकी शुरुआत हो चुकी है। 27 जनवरी को दो बड़े काम हुए हैं। पहला काम हिन्दुओं की भावना के अनुरूप द्वारायल के तौर पर उत्तराखण्ड में कॉमन सिविल कोड लागू हो गया है। पुकार सिंह धामी भले ही विधान सभा चुनाव हार गए थे, लेकिन भाजपा ने बड़ी रणनीति के तहत उन्हें ही मुख्यमंत्री बनाया। धामी के नेतृत्व में गोवा के बाद उत्तराखण्ड यूनिफॉर्म सिविल कोड वाला पहला राज्य बन गया है। दग्धपाल नवीजा यह निकलता है कि देशभिमि में भाजपा का दंडा बाज़ गया

ना है। इसका लाजा यह है कि नाना है तो दपभून न नाजना पा उड़ा बेग ना है। अभी-अभी उत्तराखण्ड की 11 नगर निगमों के चुनाव हुए, जिसमें से 10 पर भाजपा का मेयर बना है, 11वां महापौर भी कांग्रेस का नहीं बना। बल्कि, श्रीनगर की मेयर एक निर्दलीय बनी है। भाजपा अब अपने शासन वाले सभी राज्यों में कॉमन सिविल कोड लागू करके अपना वोट बैंक मजबूत करेगी। मोदी का एजेंडा 2029 के लोकसभा चुनाव से फहले पूरे देश में कॉमन सिविल कोड लागू करने का है। मोदी सरकार बिना कोई फिल किए अपने एजेंडे पर आगे बढ़ रही है। कॉमन सिविल कोड ने देश में ध्रुवीकरण की आधारशीला रख दी है। इसी दिशा में दूसरा काम यह हुआ है कि वक्फ संशोधन बिल को जेपीसी ने मंजूरी दे दी है। तीसरा मुद्दा है 'एक देश एक चुनाव' का, जिसका बिल लोकसभा में पेश हो चुका है। ये तीनों ही मुद्दे सरकार और विपक्ष में बड़े टकराव के मुद्दे हैं। अपने बूते पर बहुमत नहीं होने के बावजूद मोदी अपने एजेंडे पर आगे बढ़ रहे हैं। राहुल गांधी समझते थे कि उहोंने नरेंद्र मोदी को कमजोर कर दिया है, समझते नहीं, बल्कि उन्होंने कहा था कि संसद में वही होगा, जो कांग्रेस चाहेगी। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में उन्होंने डीमें हांकी थी कि वह संसद में जो चाहे क्रान्ति पास करवा सकते हैं। सरकार मोदी की है, लेकिन होगा वह, जो वह चाहेंगे। मोदी ने इसी बजट सत्र में ही राहुल गांधी को उनकी औकात दिखाने की ठान ली है। राहुल गांधी और इंडी गठबंधन के कड़े विरोध के बावजूद वक्फ संशोधन बिल पास होगा। इसके बाद हथियाई गई वक्फ संपत्ति की जांच शुरू होगी। जैसे हम उत्तर प्रदेश को ही लें। योगी आदित्यनाथ ने कह दिया है कि उत्तर प्रदेश के वक्फ बोर्ड ने 90 फीसद जमीनों पर अवैध कब्जा किया है। सरकारी राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में सिर्फ साढ़े तीन हजार संपत्तियां हैं, लेकिन वक्फ बोर्ड के रिकॉर्ड में एक लाख 27 हजार से ज्यादा संपत्तियां हैं। संसद से कानून पास होते ही जांच होगी और 2026 आते-आते वक्फ की अवैध



